ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 01-09-2026

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-09-01 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-09-02	2026-09-03	2026-09-04	2026-09-05	2026-09-06
वर्षा (मिमी)	22.0	15.0	32.0	16.0	15.0
अधिकतम तापमान(से.)	32.0	33.0	32.0	31.0	32.0
न्यूनतम तापमान(से.)	24.0	24.0	24.0	23.0	24.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	90	85	90	90	90
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	70	70	70
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8	8	5	8	8
पवन दिशा (डिग्री)	120	150	140	110	130
क्लाउड कवर (ओक्टा)	6	5	6	5	5
चेतावनी	बहुत भारी बारिश; आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	भारी वर्षा; आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	भारी वर्षा; आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि

पूर्वानुमान सारांश:

पिछले हफ़्ते (24-31 अगस्त) 50.8 मिमी बारिश दर्ज की गई और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 27.5 से 34.6°C और 24.5 से 27.0°C के बीच रहा। सुबह और शाम की सापेक्ष आर्द्रता क्रमशः 90-96% और 65-93% के बीच रही। हवा पूर्व-दक्षिण-पूर्व, पश्चिम-उत्तर-पश्चिम, पूर्व-उत्तर-पूर्व, पश्चिम और पूर्व-दक्षिण-पूर्व दिशाओं से 0.5-3.0 किमी प्रति घंटा की गति से चली। पिछले हफ़्ते ज़्यादातर दिन मौसम गर्म, उमस भरा और गीला रहा। आने वाले हफ़्ते में 15-32 मिमी या उससे ज़्यादा मध्यम से भारी बारिश होने और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 15.0-32.0°C और 31.0-33.0°C के बीच रहने का अनुमान है। हवा के दक्षिण-पूर्व-पूर्व, दक्षिण-पूर्व-दक्षिण, दक्षिण-पूर्व और पूर्व-दक्षिण-पूर्व दिशाओं से 5-8 किमी प्रति घंटा की गति से चलने की उम्मीद है। 01 से 03 सितंबर तक आंधी-तूफ़ान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं के साथ भारी बारिश होने की संभावना को देखते हुए 'येलो वॉर्निंग' जारी की गई है, जबकि 4 और 5 अगस्त को भारी बारिश के बिना ऐसी ही स्थितियों के लिए 'येलो वॉर्निंग' जारी की गयी है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

तेज़ बारिश के साथ आंधी-तूफ़ान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं चलने जैसी स्थितियों के लिए पीली चेतावनी।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

जल-जमाव से खेती के नियमित कामों में रुकावट आती है। फसलों में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए और खेती के नियमित काम साफ मौसम वाले दिनों में करने की योजना बनानी चाहिए।

सामान्य सलाहकार:

किसान और उनसे जुड़े लोग मौसम की नियमित जानकारी, बारिश की चेतावनी और फसल से जुड़ी सलाह पाने के लिए “मौसम” और "मेघदूत" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। बिजली गिरने से जुड़ी जानकारी के लिए "दामिनी" ऐप भी उपलब्ध है। मेघदूत और मौसम ऐप अब क्राउडसोर्सिंग का भी इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे आईएमडी को किसानों से डेटा इकट्ठा करने और मौसम का अनुमान लगाने व खेती के कामों में इसके इस्तेमाल को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इन सभी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोरे (एंड्रॉइड यूज़र्स के लिए) और एप्प सेंटर (आईओएस यूज़र्स के लिए) से आसानी से डाउनलोड किया जा सकता है। लंबे समय के अनुमान में 28.08.2026 से 03.09.2026 के दौरान सामान्य बारिश और अधिकतम व न्यूनतम तापमान का ट्रेंड दिखाया गया है। एनडीवीआई वैल्यू जिले में खेती की स्थिति को औसत से अच्छी दिखाती है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईए के अनुमान के अनुसार, आने वाले हफ़्ते में भारी बारिश की संभावना है, इसलिए खेतों में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए और खेती से जुड़े सभी काम बारिश के दिनों के बाद करने की योजना बनानी चाह

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	खेत में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें और बैक्टीरियल ब्लाइट व स्टेम बोरर से बचाव के लिए केमिकल का छिड़काव साफ़ मौसम वाले दिनों में करने की योजना बनाएं।
गन्ना	लाल सड़न और सफ़ेद गिडार के हमले से बचाव के लिए केमिकल स्प्रे साफ़ मौसम वाले दिनों में करने की योजना बनानी चाहिए, और खेती से जुड़े अन्य काम भारी बारिश वाले दिनों के बाद करने चाहिए।
मक्का	खेत में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। अगर कीट या बीमारी का प्रकोप हो, तो किसी भी केमिकल का छिड़काव भारी बारिश के बाद के दिनों के लिए तय किया जाना चाहिए।
काला चना	खेत में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए और खेती से जुड़े काम भारी बारिश वाले दिनों के बाद करने के लिए तय किए जाने चाहिए।
मूँग	खेत में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए और खेती से जुड़े काम भारी बारिश वाले दिनों के बाद करने के लिए तय किए जाने चाहिए।
सोयाबीन	खेत में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए और अगर छोटे पौधे नष्ट हो जाएं, तो दोबारा बुवाई का काम किया जाना चाहिए।
मूँगफली	टिक्का रोग के लिए केमिकल का इस्तेमाल भारी बारिश वाले दिनों के बाद किया जाना चाहिए। फसल के खेत में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
मिर्च	मिर्च की फसल में संक्रमण से बचाव के लिए भारी बारिश के बाद केमिकल स्प्रे करना चाहिए। खेत में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए।
गोभी	पौधे लगाने का काम भारी बारिश के दिनों के बाद करना चाहिए। जिन खेतों में पौधे लगाए जा चुके हैं, वहाँ पानी की निकासी का उचित प्रबंध होना चाहिए।
गोभी	पौधे लगाने का काम भारी बारिश के दिनों के बाद करना चाहिए। जिन खेतों में पौधे लगाए जा चुके हैं, वहाँ पानी की निकासी का उचित प्रबंध होना चाहिए।
क्नोल खोल	पौधे लगाने का काम भारी बारिश के दिनों के बाद करना चाहिए। जिन खेतों में पौधे लगाए जा चुके हैं, वहाँ पानी की निकासी का उचित प्रबंध होना चाहिए।
मूली	पहले से बोए गए खेत में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। साफ मौसम में मूली की यूरोपीय किस्मों की बुवाई की जा सकती है।

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गाजर	जिन खेतों में बुआई हो चुकी है, वहाँ पानी की निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। साफ़ मौसम में गाजर की एशियाई और यूरोपीय किस्मों की बुआई की जा सकती है।
पपीता	कॉलर रॉट बीमारी के लिए केमिकल स्प्रे साफ़ मौसम में करने की योजना बनानी चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	मादा बछड़ियों को छह महीने के बाद ही माँ का दूध छुड़ाना चाहिए, ताकि उनका शारीरिक विकास ठीक से हो सके। भारी बारिश के दौरान उन्हें उचित गर्माहट और भोजन दिया जाना चाहिए और गौशाला में साफ-सफाई बनाए रखनी चाहिए।
भेंस	'फूट-रॉट' बीमारी से बचाने के लिए, जानवरों के खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मेलिन घोल या 5% नीले घोल में डुबोना चाहिए। भारी बारिश के दौरान उन्हें उचित गर्मी और भोजन देना चाहिए और शेड में साफ़-सफ़ाई बनाए रखनी चाहिए।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

नियमित खेती और रोज़मर्रा के कामों में रुकावट, दुर्घटनाएं, और भारी बारिश के कारण सड़कों व घरों में बाढ़।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

खेती और रोज़मर्रा के सभी कामों को साफ़ मौसम वाले दिनों के लिए तय करें और बिना ज़रूरत के यात्रा करने से बचें। भारी बारिश के कारण पानी जमा होने से बचाने के लिए सही ढलान या जल निकासी की व्यवस्था रखें।

Farmers are advised to download Unified ﷺMausamﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details